सूरजकुंड मेला 2025

चर्चा में क्यों?

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला **7 से 23 फरवरी 2025 के बीच फरीदाबाद में** आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा मरम्मत कार्य पर लगभग 1.50 करोड़ रुपए खर्च किये जाने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- **सूरजकुंड मेला:**
    - **यह हमारे शिल्पकारों को कला प्रेमियों से जोड़ने का** एक प्रभावी मंच है। यह मेला एक **कला प्रदर्शनी और एक व्यापार केंद्र दोनों है।**
    - **यह मेला भारत की** हस्तशिल्प, हथकरघा **और** सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करता है।
    - विभाग **2025 में मेला क्षेत्र का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें** कारीगरों **और प्रतिभागियों के लिये झोपड़ियों की संख्या बढ़ाने** पर ज़ोर दिया जाएगा।
    - वर्ष 2024 में, प्राधिकारियों ने लगभग 1,150 झोपड़ियाँ उपलब्ध कराईं, जिनमें 1,500 से अधिक स्वदेशी और 250 विदेशी शिल्पकारों को रहने की सुविधा दी गई।
        - अतिरिक्त झोपड़ियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की गई है और यह खुली जगह की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।
        - मेले की बढ़ती लोकप्रियता और भागीदारी के चलते बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये मौसम प्रतिरोधी डिज़ाइन वाली अतिरिक्त झोपड़ियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।
            - प्राधिकारियों ने टिकट और पार्किंग सुविधाओं के लिये दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।**
    - **साझेदार राष्ट्र और विषय:**
    - **बिम्सटेक देश** (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्याँमार, थाईलैंड, नेपाल और श्रीलंका) इस आयोजन के **भागीदार राष्ट्र बने रहेंगे।**
- आगामी मेले के लिये थीम **राज्य की घोषणा अभी की जानी है,** हालाँकि असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और मिज़ोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों पर कला और शिल्प के प्रदर्शन के लिये विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बिम्सटेक

- बिम्सटेक एक **क्षेत्रीय संगठन है जिसमें 7 सदस्य देश** शामिल हैं**- बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्याँमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।**
- इसकी स्थापना **1997 में** बंगाल की खाड़ी **क्षेत्र** के देशों के बीच बहुमुखी तकनीकी और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बिम्सटेक द्वारा कवर किया गया क्षेत्र लगभग **1.5 बिलियन लोगों का घर है,** जिसका संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद **3.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/surajkund-fair-2025